Need for creation of Dr. Ram Manohar Lohia Memorial

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): सभापति महोदय, इस अनुमति के लिए आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। आगामी सोमवार, यानी 23 मार्च को डा. राममनोहर लोहिया जी का जन्मदिवस है और हम सब उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। मैं सदन के माध्यम से, आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं कि डा. राममनोहर लोहिया स्मारक का निर्माण हो। हम में से अधिकांश लोगों ने, जो अलग-अलग राजीतिक दलों में हैं, हम सभी ने कहीं न कहीं लोहियावादी विचारधारा और उनके द्वारा संप्रेषित जो तत्व थे, उनको अपने अंदर ग्रहण किया है। भारतीय संदर्भ का समाजवाद लोहिया जी के बिना अधूरा है। सर, मैं समझता हूं कि "पिछड़े पावें सौ में साठ" महज एक नारा नहीं था, बल्कि सत्ता और संसाधन में उन वंचित शोषित वर्गों की न सिर्फ भागीदारी सुनिश्चित करना था, बल्कि उन्हें एक मुखर स्वर का व्याकरण भी देना था। इसके मद्देनजर, जो हमारी समकालीन पीढ़ी है, उसे ज्यादा पता नहीं है कि डा. राममनोहर लोहिया जी कौन थे? इस स्मारक के माध्यम से हम न सिर्फ एक संदेश देंगे, बल्कि अनुसंधान और ज्ञान की हमारे पास जो भी विधाएं हैं, उनके माध्यम से डा. राममनोहर लोहिया जी के इस स्मारक के निर्माण के बाद अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और जाहिर तौर पर एक ऐसी विचारधारा हमेशा पनपती रहेगी, हमारे मध्य विद्यमान रहेगी, जिस विचारधार ने न सिर्फ हिंदी पट्टी में, बल्कि पूरे हिन्दुस्तान में सत्ता समीकरण का व्याकरण बदलकर रख दिया था। मैं समझता हूं कि यह सचमुच उस महामानव के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिस महामानव ने सप्त क्रांति के माध्यम से हमें यह बताने की चेष्टा की कि हमारी लोक संस्कृति से जुड़ा हुआ समाजवाद ही सबसे ज्याद टिकाऊ और सबसे ज्यादा असरदार विकल्प है। आपने मुझे यहां पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए अपका बहुत-बहुत शुक्रिया, जय हिंद।

श्री सभापति: जो लोग associate करना चाहते हैं, वे कृपा करके अपने नाम भेज दीजिए। आप सभी यह याद रखिए और इसको फॉलो करने का प्रयास कीजिए।

प्रो. राम गोपाल यादव: सभापति जी, गवर्नमेंट से कुछ कहलवा दीजिए।

श्री सभापति: इस पर अभी instant जवाब नहीं दिया जा सकता है।

प्रो. राम गोपाल यादव: बहुत से लोगों के स्मारक लगे हैं, डा. राममनोहर लोहिया का स्मारक नहीं है।

श्री सभापति: ठीक है।

SHRI ANAND SHARMA: The Minister can say something...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: If they want to say something, and if they seek my permission, नहीं, तो, अगर वे अचानक कुछ बोलें और बाद में उसका पालन न करें, ते प्रॉब्लम होगी।

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री बी.के. हरिप्रसाद (कर्णाटक): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री शमशेर सिंह दुलो (पंजाब): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री नारायण दास गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री कैलाश सोनी (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री सकलदीप राजभर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूं।

†**جناب جاوید علی خان (اترپردیش):** مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع کے ساتھ سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

डा. अशोक बाजपेयी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

डा. सोनल मानसिंह (नाम निर्देशित): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI G.C. CHANDRASHEKHAR (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

---

†Transliteration in Urdu script.

DR. K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI PRASANNA ACHARYA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI HUSAIN DALWAI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI KAHKASHAN PERWEEN (Bihar): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need to declare Yettinahole Integrated Drinking Water Project in Karnataka as a National Project

DR. L. HANUMANTHAIAH (Karnataka): Thank you very much, Sir, for giving me this opportunity to speak. Sir, through you, I want to bring to the notice of this august House that the Yettinahole Integrated Drinking Water Project in Karnataka is in progress. Sir, Karnataka is the second largest State in the country which is facing acute shortage of water after Rajasthan. The dry land districts, parlicularly, Kolar, Chikkaballapura, Ramanagar, Bangalore rural district, Tumkur and Chitradurga, which is the central part of Karnataka, are severely struggling to get drinking water. So, the Government of Karnataka has taken up a project called "Yettinahole Integrated Drinking Water Project". It is proposed to utilize 24 TMC of water from the upper reaches of west flowing streams near Sakaleshpur Taluk of Hassan district during monsoon season. Sir, this scheme has been taken up *in lieu* of Nethravathi-Hemavathi links proposed by the National Water Development Authority (NWDA). It is for considering the link project, to recommend to the Ministry of Water Resources to declare this as a national project. It is proposed by Government of India, in general, to declare some projects across the country as national projects. This is a welcome step. In the light of the above, I request you to kindly consider declaring the Yettinahole project as national project and necessary orders in this regard may please be issued at the earliest in the interest of drinking water to the common people. Sir, drinking water is not only for human beings, even animals are facing acute shortage of water. On the other hand, the ground water level in these districts has reached 1,500 feet. That being the case,